

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज

भोपाल, शनिवार 06 जून से 11 जून 2026

भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित

वर्ष-13

अंक-95

पृष्ठ-8

मूल्य- रु. 5/-

विकसित मध्य प्रदेश कॉन्क्लेव 2026 भोपाल में होगा आयोजित: राज्य को मिलेगा निवेश का नया बूस्ट

निवेशकों के लिए शानदार अवसर: औद्योगिक विकास, इंफ्रा और रोजगार सृजन की दिशा में मध्य प्रदेश तैयार

भोपाल: मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 'विकसित मध्य प्रदेश कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन भोपाल में किया जाएगा। यह प्रमुख निवेश सम्मेलन राज्य को औद्योगिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कॉन्क्लेव में देश-विदेश के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक और नीति निर्माताओं को आमंत्रित किया जाएगा। इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, विनिर्माण, रिन्यूएबल एनर्जी, आईटी, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग और पर्यटन जैसे प्रमुख सेक्टर पर फोकस रहेगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में यह कार्यक्रम राज्य की निवेश-अनुकूल नीतियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास योजनाओं को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित करेगा।

मध्य प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक संसाधनों और युवा कार्यबल के कारण पहले से ही निवेशकों की पसंद बना हुआ है। इस कॉन्क्लेव से नए उद्योगों की स्थापना, रोजगार सृजन और राज्य की जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

यह आयोजन मध्य प्रदेश में निवेश करने का सुनहरा अवसर है। इंफ्रा, पावर, सोलर, लॉजिस्टिक्स और मैनुफैक्चरिंग सेक्टर की कंपनियां विशेष रूप से फायदा उठा सकती हैं। लंबी अवधि के निवेशक राज्य सरकार की प्रो-एक्टिव नीतियों और बड़े इंफ्रा प्रोजेक्ट्स पर नजर रखें।

विकसित मध्य प्रदेश कॉन्क्लेव 2026 न केवल राज्य की छवि को मजबूत करेगा बल्कि निवेशकों को आकर्षक रिटर्न की संभावनाएं भी प्रदान करेगा।



रिजर्व बैंक ने ब्याज दरें स्थिर रखीं: लोन महंगे नहीं होंगे, इकोनॉमी को मिला मजबूत सपोर्ट

इक्विटी, रियल एस्टेट और डेब्ट मार्केट में स्थिरता बनी रहेगी, लंबी अवधि की ग्रोथ को मिलेगा बल

नई दिल्ली: भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया है। इस निर्णय से होम लोन, कार लोन और अन्य कर्ज महंगे नहीं होंगे। उपभोक्ताओं और व्यवसायों को राहत मिलेगी।

RBI गवर्नर ने कहा कि मुद्रास्फीति नियंत्रण में है और आर्थिक विकास की गति सकारात्मक बनी हुई है। महंगाई दर लक्षित सीमा के करीब पहुंच रही है, जिसके चलते दरों में बदलाव की जरूरत नहीं पड़ी। यह फैसला आर्थिक स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने वाला है।

रेपो रेट स्थिर रहने से शेयर बाजार, रियल एस्टेट और डेब्ट फंड्स को सकारात्मक संकेत मिला है। होम लोन और ऑटो लोन की मांग बनी रहेगी, जिससे बैंकिंग और हाउसिंग सेक्टर को फायदा होगा। लंबी अवधि के निवेशक इक्विटी और रियल एस्टेट थीम पर ध्यान दे सकते हैं।

हालांकि, भविष्य में मुद्रास्फीति और वैश्विक आर्थिक स्थिति पर नजर रखना जरूरी है। RBI का यह फैसला बाजार में स्थिरता बनाए रखेगा और निवेशकों को राहत देगा।

डेब्ट म्यूचुअल फंड्स और फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट्स में भी स्थिर रिटर्न की उम्मीद बनी हुई है।

निवेशक इस नीति के बाद आने वाले आर्थिक आंकड़ों और अगली MPC बैठक पर नजर रखें। यह निर्णय भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाता है।



भारत 6.6 गुना बढ़ा। और आप?

भारत का Mutual Fund AUM 10 साल में ₹12.3 लाख करोड़ से ~₹82 लाख करोड़ पहुंचा।



यह वृद्धि किस बात को दर्शाती है?



निवेशकों का भरोसा



कंपाउंडिंग का असर



समय की ताकत



पिछले 10 साल छूट गए?

अगली कहानी का हिस्सा बनिए।

अपने पार्टनर से बात करें।

*म्यूचुअल फंड बाजार जोखिमों के अधीन है। | Source: AMFI



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



US Proposes Fresh Tariffs on Indian Imports Under Section 301 Investigation

Trade Tensions Escalate: New US Move Could Impact Key Export Sectors and Bilateral Economic Relations

Washington/New Delhi: The United States has proposed new tariffs on several Indian imports following the initiation of a Section 301 investigation. The probe examines India's trade policies, intellectual property practices, and market access barriers for American companies. While the exact tariff rates are yet to be finalised, sectors such as pharmaceuticals, steel, automobiles, textiles, and IT hardware could face increased duties. This development comes amid broader global trade realignments and the US administration's continued focus on reducing trade deficits with major partners. India has expressed concern

over the move and is expected to engage in bilateral discussions to resolve the matter amicably.

Investors should adopt a cautious approach toward export-heavy Indian companies in the near term. Sectors like pharmaceuticals (especially generic drugs), auto components, and steel may witness margin pressure if the tariffs are implemented. However, many Indian firms have been diversifying their export markets and strengthening domestic presence to mitigate such risks.

Long-term investors can use this as an opportunity to review portfolio exposure to US-dependent sectors and

focus on companies with strong domestic demand, diversified geographies, and robust cost structures. While near-term volatility is expected, India's overall economic resilience and growing global importance may help limit long-term damage from such trade disputes.



साउथ कोरिया ने भारतीय शेयर बाजार को पीछे छोड़ा: AI बूम से मार्केट कैप ₹475 लाख करोड़ के पार निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण संकेत: टेक और AI सेक्टर की ताकत दिखाई, भारत को अब और तेज सुधार की जरूरत

नई दिल्ली: दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार ने भारतीय बाजार को पीछे छोड़ दिया है। सैमसंग, SK हाइक्स और अन्य AI व डीप टेक कंपनियों के शानदार प्रदर्शन के कारण दक्षिण कोरिया का मार्केट कैपिटलाइजेशन ₹475 लाख करोड़ के स्तर को पार कर गया है।

AI चिप्स, सेमीकंडक्टर और इंटेलेजेंट सिस्टम्स की बढ़ती वैश्विक मांग ने कोरियाई कंपनियों को मजबूत बढ़त दी है। वहीं भारतीय बाजार पिछले कुछ महीनों में वैश्विक अनिश्चितता, FII निकासी और उच्च वैल्यूएशन के दबाव में रहा है।

यह घटना भारतीय बाजार के लिए एक चेतावनी है। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बुनियादी ढांचे पर चल रही है, लेकिन टेक्नोलॉजी

और इनोवेशन के क्षेत्र में हमें और तेजी से आगे बढ़ना होगा। AI, सेमीकंडक्टर और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग में निवेश बढ़ाने की जरूरत है।

लंबी अवधि के निवेशक अब AI, डीप टेक और इलेक्ट्रॉनिक्स थीम पर फोकस कर सकते हैं। दक्षिण कोरिया की सफलता दिखाती है कि टेक्नोलॉजी-आधारित कंपनियां बाजार को कैसे आगे ले जाती हैं। भारतीय कंपनियां अगर AI और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में मजबूत कदम उठाती हैं तो भविष्य में भारत फिर से तेजी से आगे निकल सकता है।



तेल आयात घटाने से किसान समृद्धि तक: हरदीप सिंह पुरी ने लॉन्च किया पहला फ्लेक्स-फ्यूल यात्री वाहन

इथेनॉल-आधारित अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल, ऑटो और कृषि सेक्टर में नई ग्रोथ संभावनाएं

नई दिल्ली: पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने आज भारत का पहला फ्लेक्स-फ्यूल यात्री वाहन लॉन्च किया। यह वाहन पेट्रोल, इथेनॉल या दोनों के मिश्रण पर चल सकता है। इस कदम को भारत की ऊर्जा सुरक्षा और किसान कल्याण की दिशा में ऐतिहासिक बताया जा रहा है।

फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के आने से देश के कच्चे तेल आयात बिल में कमी आएगी, जो वर्तमान में बहुत भारी है। साथ ही इथेनॉल उत्पादन बढ़ने से गन्ना, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी, जिससे किसानों की आय में सीधा इजाफा होगा। सरकार का लक्ष्य इथेनॉल ब्लेंडिंग को 20 प्रतिशत तक ले जाना है, जो पर्यावरण प्रदूषण कम करने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने में मदद करेगा।

यह पहल इथेनॉल उत्पादन, ऑटोमोबाइल और हरित ऊर्जा सेक्टर के लिए बहुत सकारात्मक है। इथेनॉल बनाने वाली चीनी मिलें, ऑटो कंपनियां और संबंधित सप्लायर्स को लंबी अवधि में फायदा होने की उम्मीद है। शेर बाजार में ऑटो और एग्री सेक्टर की कंपनियों में सकारात्मक रुख देखा जा सकता है।

निवेशक इथेनॉल पॉलिसी की प्रगति, ऑटो कंपनियों के फ्लेक्स-फ्यूल मॉडल लॉन्च और कृषि उपज की कीमतों पर नजर रखें। यह कदम भारत को ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद करेगा।



कैबिनेट ने मंजूरी दी 233 किमी NH-347B के ₹4,415 करोड़ अपग्रेड को: मध्य प्रदेश को मिलेगा इंफ्रा बूस्ट

निवेशकों के लिए शानदार अवसर: बेहतर कनेक्टिविटी से औद्योगिक विकास को गति, निर्माण और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में नई संभावनाएं

भोपाल/नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मध्य प्रदेश में 233 किलोमीटर लंबे नेशनल हाईवे-347B के अपग्रेड और चौड़ीकरण को ₹4,415 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दे दी है। यह परियोजना राज्य की इंफ्रास्ट्रक्चर विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

NH-347B मुख्य रूप से मध्य प्रदेश के औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इस अपग्रेड में फोर-लेन और सिक्स-लेन सड़क, आधुनिक पुल, फ्लाइओवर और हाईवे सुविधाएं शामिल हैं। इससे भोपाल, इंदौर, उज्जैन और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों के बीच यात्रा समय काफी कम हो जाएगा। बेहतर लॉजिस्टिक्स से कृषि उत्पादों, औद्योगिक सामग्री और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव यह परियोजना मध्य प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। बेहतर सड़क नेटवर्क से नए निवेश आकर्षित होंगे, रोजगार सृजन होगा और राज्य की जीडीपी में योगदान बढ़ेगा। विशेष रूप से पीथमपुर, देवास, धार और आसपास के क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा।

यह मंजूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क निर्माण और लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए बेहद सकारात्मक है। लिस्टेड कंपनियां जैसे Larsen & Toubro, NCC, IRB Infrastructure, KEC International और स्थानीय निर्माण कंपनियों को नए ऑर्डर

मिलने की संभावना है। साथ ही सीमेंट, स्टील और निर्माण सामग्री कंपनियों को भी फायदा पहुंचेगा। लंबी अवधि के निवेशक इंफ्रा थीम पर फोकस कर सकते हैं। मध्य प्रदेश सरकार की आक्रामक इंफ्रा नीतियों और केंद्र के राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम से राज्य में अगले कुछ वर्षों में बड़े प्रोजेक्ट्स आने की उम्मीद है। हालांकि, निवेशकों को प्रोजेक्ट एक्जीक्यूशन टाइमलाइन, लैंड एक्विजिशन और कच्चे

माल की कीमतों पर नजर रखनी चाहिए। कुल मिलाकर, NH-347B का यह अपग्रेड मध्य प्रदेश की प्रगति को नई गति देगा और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर पैदा करेगा।

कैबिनेट ने मंजूरी दी 233 किमी NH-347B के ₹4,415 करोड़ अपग्रेड को

मध्य प्रदेश को मिलेगा इंफ्रा बूस्ट

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय राजमार्ग-347B (मऊगंज-रीवा-सीधी-शहडोल) के 233 किमी खंड के अपग्रेड को ₹4,415 करोड़ की लागत से मंजूरी दे दी है। यह परियोजना मध्य प्रदेश के विद्य क्षेत्र में कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसरों को गति देगी।

परियोजना की खास बातें	
लंबाई	233 किमी
लागत	₹4,415 करोड़
मार्ग	मऊगंज - रीवा - सीधी - शहडोल
निर्धारित अवधि	4 वर्ष
प्रोजेक्ट का प्रकार	अपग्रेडेशन (2/4 लेन)

मध्य प्रदेश को होंगे बड़े फायदे

- बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार और उद्योग को मिलेगा बढ़ावा
- रोजगार के नए अवसर और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती
- लॉजिस्टिक्स और परिवहन होगा तेज, यात्रा समय में कमी
- विद्य क्षेत्र का समग्र विकास और निवेश को आकर्षण

“यह परियोजना न केवल सड़क अवसंरचना को मजबूत करेगी बल्कि विद्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगी।”

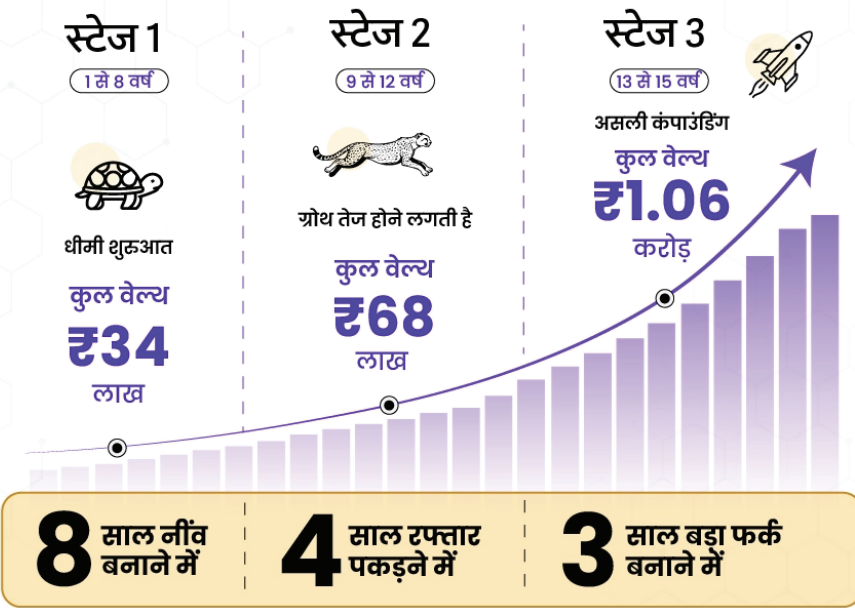
- नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री

NH-347B रूट मैप

₹1 करोड़ का SIP फॉर्मूला

कंपाउंडिंग का 8-4-3 नियम

15 सालों में ₹21,250 मासिक SIP | 12% वार्षिक रिटर्न



आखिरी 3 सालों में जुड़े ₹38 लाख+

जल्दी SIP रोकना महंगा पड़ सकता है।

*म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है। सभी आंकड़े अनुमानित हैं और केवल उदाहरण के लिए हैं।

निवेश से ज्यादा जरूरी है सही साथ

निवेश आसान है, सही दिशा मिलना मुश्किल।

अकेले निवेश का सफर

- ❌ सही फंड चुनना
- ❌ बाजार पर नजर रखना
- ❌ रिकॉर्ड संभालना
- ❌ पोर्टफोलियो की समीक्षा
- ❌ लक्ष्य तय करना

जब साथ हो एक MFD का

- ✅ सही मार्गदर्शन
- ✅ लक्ष्य आधारित योजना
- ✅ पोर्टफोलियो पर निगरानी
- ✅ निवेश में मदद
- ✅ रिकॉर्ड और टैक्स सहायता

सही मार्गदर्शन निवेश को आसान बना सकता है

अपने पार्टनर से बात करें।

*म्यूचुअल फंड बाजार जोखिमों के अधीन है।



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



India Poised to Become Fastest Growing Major Insurance Market Globally

Allianz Forecasts 10.7% Annual Growth Over Next Decade – Low Penetration and Rising Incomes Create Historic Opportunity

Bhopal :The Indian insurance industry is projected to grow at an impressive 10.7% annually over the next ten years, making it the fastest-growing major insurance market in the world, according to a new report by global insurance giant Allianz. This robust growth trajectory is expected to be driven by rising household incomes, increasing insurance awareness, digital adoption, and strong government support for financial inclusion.

Currently, India's insurance penetration remains low at around 4.2% of GDP, significantly below global averages. Life insurance continues to dominate, but non-life segments, particularly health, motor, and property insurance, are witnessing accelerated growth. The report highlights that expanding middle-class population, urbanisation, and rising awareness of risk management will be key growth drivers in the coming decade.

Allianz also noted that regulatory reforms,

simplified products, and technological innovations such as Insurtech platforms are expected to further boost accessibility and affordability of insurance products across Tier-2 and Tier-3 cities.

This forecast presents a compelling long-term investment opportunity in India's insurance sector. Companies with strong distribution networks, digital capabilities, and diversified product portfolios are well-positioned to capitalise on this growth. LIC, along with private players such as HDFC Life, ICICI Prudential Life, SBI Life, and Star Health are expected to benefit significantly from rising demand.

Investors should focus on insurers demonstrating consistent premium growth, healthy claim settlement ratios, and improving return on embedded value (RoEV). The sector offers a mix of stable

growth and reasonable valuations compared to other financial services segments. However, challenges such as regulatory changes, competition intensity, and interest rate movements should be closely monitored.

With structural tailwinds firmly in place, India's insurance story is entering a high-growth phase. For long-term investors, selective exposure to quality insurance companies and insurance-focused funds could deliver attractive risk-adjusted returns over the next decade.



Indian Steelmakers Face Fresh Challenge as Cheap Chinese Imports Surge Again

Rising Import Pressure Tests Domestic Margins – Steel Sector Outlook Turns Cautious

New Delhi: Indian steel manufacturers are once again grappling with a sharp increase in low-cost steel imports from China. Industry sources indicate that Chinese steel is entering the country at prices significantly below domestic production costs, putting severe pressure on realisations and profit margins of local players.

Major steelmakers including JSW Steel, Tata Steel, and SAIL have reported softening in domestic prices, especially in flat and long products. The surge in imports comes amid subdued demand in China and excess global capacity, with Indian ports witnessing higher volumes of Chinese HR coils, rebar, and structural steel.

Domestic industry bodies have urged the government to review import duties and impose stricter quality standards to protect local manufacturers. The situation has raised concerns about job losses and underutilisation of newly added capacities in India.

Investors should adopt a cautious stance on the steel sector in the near term. While long-term demand from infrastructure and manufacturing remains strong, persistent cheap imports could delay margin recovery. Selective exposure to companies with cost advantages, diversified product mix, and strong export presence is advisable.



Serum Institute to Manufacture Oxford Ebola Vaccine with \$8.6 Million CEPI Backing

Global Health Security Boost: Serum's Expanded Vaccine Portfolio Strengthens Its Position as a Leading Global Supplier

Bhopal :Serum Institute of India, the world's largest vaccine manufacturer by volume, has announced it will produce the Oxford-developed Ebola vaccine with support of \$8.6 million funding from the Coalition for Epidemic Preparedness Innovations (CEPI). This partnership aims to build manufacturing capacity and ensure rapid availability of the vaccine for future outbreaks in Africa and other high-risk regions.

The move further diversifies Serum Institute's already vast vaccine portfolio, which includes COVID-19, measles, polio, and several other critical immunizations. By entering the Ebola vaccine segment, the company is positioning itself as a key player in global epidemic preparedness. The funding will help enhance production infrastructure, technology transfer, and regulatory compliance to meet international standards.



This development is highly positive for Serum Institute. Strengthening its presence in high-impact vaccines enhances its global reputation and opens new revenue streams in emerging markets.

Investors can view this as another step in Serum's evolution from a volume leader to a diversified, innovation-driven vaccine powerhouse. The company's strong execution track record and global reach continue to make it an attractive long-term bet in the Indian pharmaceutical sector.

Alkem Launches Affordable Single-Shot Semaglutide Syringes at ₹350: Major Breakthrough in Diabetes & Weight Loss Treatment

Affordable GLP-1 Drugs to Expand Patient Access and Drive Strong Revenue Growth for Alkem Laboratories

New Delhi: Alkem Laboratories has rolled out single-shot semaglutide syringes priced at just ₹350, making this revolutionary GLP-1 receptor agonist significantly more affordable for Indian patients. The move is expected to dramatically improve access to effective treatment for Type-2 diabetes and weight management, two conditions affecting millions across the country.

Semaglutide has emerged as a game-changing molecule globally, known for its dual benefits of blood sugar control and substantial weight loss. While originator versions remain expensive, Alkem's low-cost version aims to bridge the affordability gap, particularly in Tier-2, Tier-3 cities and rural areas where cost has been a major barrier.

The company plans to leverage its extensive distribution network and strong relationships with physicians to drive rapid adoption. Industry experts believe this pricing strategy could significantly expand the overall market size for GLP-1 therapies in India and help Alkem capture a meaningful share in this high-growth segment.

This launch is a strong positive for Alkem Laboratories. The company continues to strengthen its position in the chronic therapy segment through complex generics and differentiated products. With rising diabetes prevalence and increasing focus on obesity management, the semaglutide syringe is well-timed to contribute meaningfully to future revenue and profitability.

Investors can view this development as

part of Alkem's consistent strategy to expand into high-potential therapeutic areas. The affordable pricing is likely to drive higher volumes, improving market penetration and brand visibility. While competition is expected to increase, Alkem's first-mover advantage in the affordable segment and robust manufacturing capabilities provide a competitive edge.

Long-term investors should monitor the company's execution, pricing pressure, and regulatory developments in the GLP-1 space. Overall, Alkem's latest initiative reinforces its reputation as an innovation-driven and patient-centric pharmaceutical company, making it an attractive pick in the Indian pharma sector.

एलआईसी ने लॉन्च किए नए जीवन साथी लिमिटेड प्रीमियम प्लान: सीमित प्रीमियम में सुरक्षा और बचत का बेहतरीन विकल्प

जोड़ों को मिलेगी मजबूत वित्तीय सुरक्षा, गारंटीड ऐडिशनस और आकर्षक रिटर्न, एलआईसी के ट्रेडिशनल बिजनेस को नई गति

चेन्नई: भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने जोड़ों के लिए नया 'जीवन साथी लिमिटेड प्रीमियम प्लान' लॉन्च किया है। यह प्लान सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि के साथ लंबी अवधि की सुरक्षा और बचत दोनों प्रदान करता है। पॉलिसीधारक 10 या 15 वर्ष में प्रीमियम पूरा कर सकते हैं, जबकि पॉलिसी अवधि 20 से 40 वर्ष तक रखी जा सकती है।

नए प्लान में गारंटीड ऐडिशनस (Guaranteed Additions) का प्रावधान है, जो पॉलिसी की पूरी अवधि में नियमित रूप से जुड़ते रहेंगे। मृत्यु लाभ में सम एश्योर्ड के साथ गारंटीड ऐडिशनस मिलेंगे। मैच्योरिटी पर भी आकर्षक राशि मिलेगी। प्लान में लोन सुविधा, सरेंडर वैल्यू और फ्री-लुक पीरियड जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं।

यह प्लान खासकर मध्यम आय वर्ग के जोड़ों के लिए फायदेमंद है जो

सीमित समय में प्रीमियम पूरा कर लंबी सुरक्षा चाहते हैं। पॉलिसी में टर्मिनल इलनेस बेनिफिट भी शामिल है, जिससे गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक सहायता मिलेगी।

एलआईसी का यह नया प्लान ट्रेडिशनल इंश्योरेंस सेगमेंट को मजबूत करेगा। सीमित प्रीमियम प्लान्स की लोकप्रियता बढ़ रही है क्योंकि लोग लंबे समय तक प्रीमियम नहीं भरना चाहते। इस प्लान से एलआईसी का नया बिजनेस प्रीमियम (NBP) बढ़ने की उम्मीद है।

शेयरधारकों के लिए यह सकारात्मक खबर है क्योंकि मजबूत प्रोडक्ट मिक्स से कंपनी की वैल्यूएशन पर सकारात्मक असर पड़ सकता है। लंबी अवधि के निवेशक एलआईसी के शेयरों पर नजर रख सकते हैं। हालांकि, निवेश से पहले पॉलिसी की शर्तें, गारंटीड ऐडिशनस की दर और टैक्स प्रभाव को अच्छी तरह समझ लें।

कुल मिलाकर, जीवन साथी लिमिटेड प्रीमियम प्लान जोड़ों को वित्तीय सुरक्षा, बचत और टैक्स लाभ का त्रिकोण प्रदान करता है। एलआईसी की मजबूत विश्वसनीयता और सरकारी बैकिंग के साथ यह प्लान बाजार में अच्छा प्रदर्शन करने वाला साबित हो सकता है।



टाटा मोटर्स और महिंद्रा का जलवा: ईवी बिक्री में 79% की भारी उछाल, बाजार पर मजबूत पकड़

निवेशकों के लिए स्वर्णिम अवसर: इलेक्ट्रिक वाहन सेक्टर में तेज ग्रोथ, लंबी अवधि के मजबूत रिटर्न की संभावना

मुंबई: टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अप्रैल 2026 में भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन (EV) बाजार में अपनी दबदबा बरकरार रखा है। देशभर में कुल ईवी बिक्री में 79 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। टाटा मोटर्स ने सबसे अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जबकि महिंद्रा ने भी अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी रेंज के साथ मजबूत प्रदर्शन किया।

टाटा मोटर्स की नेक्सन ईवी, टियागो ईवी, पंच ईवी और कर्व ईवी जैसी गाड़ियों की मांग लगातार बढ़ रही है। कंपनी ने पिछले महीने रिकॉर्ड संख्या में इलेक्ट्रिक वाहन बेचे। महिंद्रा ने अपनी XUV400 और BE सीरीज से अच्छा रिस्पॉन्स प्राप्त किया। दोनों कंपनियों की मजबूत डीलर नेटवर्क, बेहतर बैटरी टेक्नोलॉजी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस ने उन्हें बाजार में आगे रखा है।

यह उछाल मुख्य रूप से सरकारी सब्सिडी, घटती बैटरी कीमतों, बढ़ती

पर्यावरण जागरूकता और उपभोक्ताओं की बढ़ती खरीद क्षमता के कारण आई है। FAME-III योजना के तहत मिल रही प्रोत्साहन राशि ने खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में ईवी की मांग को बढ़ावा दिया है।

ईवी बिक्री में 79% की वृद्धि भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए बहुत सकारात्मक संकेत है। टाटा मोटर्स और महिंद्रा इस सेगमेंट के स्पष्ट लीडर हैं। लंबी अवधि के निवेशक इन दोनों कंपनियों पर फोकस कर सकते हैं क्योंकि ईवी ट्रांजिशन भारत की भविष्य की मोबिलिटी का मुख्य आधार बनने जा रहा है।

शेयर बाजार में दोनों कंपनियों के शेयरों में सकारात्मक गति देखने को मिल रही है। हालांकि बैटरी लागत, चार्जिंग इंफ्रा विकास और विदेशी प्रतिस्पर्धा जैसे चुनौतियां भी बनी हुई हैं।

कुल मिलाकर, यह आंकड़ा दर्शाता है कि भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी

क्रांति की तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। टाटा मोटर्स और महिंद्रा इस क्रांति के प्रमुख चालक साबित हो रहे हैं। निवेशक इन कंपनियों के तिमाही नतीजों, नई लॉन्च और मार्केट शेयर पर लगातार नजर रखें। मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में भी ईवी मैनुफैक्चरिंग और चार्जिंग इंफ्रा परियोजनाओं को बढ़ावा मिलने से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा।

रिलायंस ने हरियाणा सरकार के साथ किए MoU: झज्जर में 8,646 करोड़ का टाउनशिप प्रोजेक्ट निवेशकों के लिए बड़ी खबर: रिलायंस का भारी निवेश, हरियाणा में रियल एस्टेट और इंफ्रा सेक्टर को नई गति

चंडीगढ़: मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने हरियाणा सरकार के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी झज्जर जिले में 8,646 करोड़ रुपये का बड़ा टाउनशिप प्रोजेक्ट विकसित करेगी। इस परियोजना में आधुनिक आवासीय, कमर्शियल और इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं शामिल होंगी।

यह प्रोजेक्ट हरियाणा को नया शहरी विकास केंद्र बनाने में मदद करेगा। इसमें हाई-एंड रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स, शॉपिंग मॉल, स्कूल, हॉस्पिटल और ग्रीन स्पेस विकसित किए जाएंगे। रिलायंस का यह निवेश राज्य में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

रिलायंस का यह कदम रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए बेहद

सकारात्मक है। झज्जर दिल्ली-एनसीआर का हिस्सा होने के कारण प्रोजेक्ट की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। लंबी अवधि के निवेशक रिलायंस इंडस्ट्रीज और हरियाणा से जुड़ी रियल एस्टेट कंपनियों पर नजर रखें।

सरकारी सहयोग और रिलायंस की मजबूत ब्रांड वैल्यू से यह प्रोजेक्ट समय पर पूरा होने की संभावना है। निवेशक इस विकास को पोर्टफोलियो में सकारात्मक संकेत के रूप में देख सकते हैं।



Cars24 Launches Dedicated AI Lab with \$20 Million Commitment to Artificial Intelligence and Startups

Tech-Driven Ambition: Auto Platform Deepens AI Focus to Enhance Operations and Fuel Innovation Ecosystem

Gurugram: Cars24, India's prominent digital automobile marketplace, has announced the launch of its own Artificial Intelligence lab along with a \$20 million commitment towards AI development and investments in early-stage startups. This significant step highlights the company's focus on leveraging cutting-edge technology to strengthen its core operations and expand its influence in the mobility sector.

The new AI lab will concentrate on key areas such as computer vision for vehicle inspection, predictive analytics for pricing and demand forecasting, fraud detection, and personalised

customer recommendations. These advancements are expected to improve operational efficiency, enhance user experience, and reduce costs across the buying and selling process.

Additionally, part of the \$20 million fund will be deployed in promising early-stage AI and deep-tech startups that align with Cars24's long-term vision.

This strategic initiative positions Cars24 as a technology-forward player in the competitive auto-tech space. By investing in in-house AI capabilities and external startups, the company is building a strong moat for future growth.



सिंपल एनर्जी ने जुटाए 250 करोड़ रुपये, FY28 की दूसरी छमाही में आईपीओ की तैयारी

निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर: इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेक्टर में तेजी, सस्टेनेबल मोबिलिटी पर मजबूत दांव

बेंगलुरु: भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन स्टार्टअप सिंपल एनर्जी ने 250 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई है। इस फंडिंग राउंड में कई प्रतिष्ठित निवेशकों ने भाग लिया। कंपनी अब FY28 की दूसरी छमाही में आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है।

सिंपल एनर्जी मुख्य रूप से हाई-परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक स्कूटर्स बनाती है। कंपनी ने अपनी बैटरी टेक्नोलॉजी, रेंज और परफॉर्मेंस पर फोकस करते हुए बाजार में मजबूत पकड़ बनाई है। नई पूंजी का उपयोग कंपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, डीलर नेटवर्क विस्तार और रिसर्च एंड डेवलपमेंट में करेगी।

यह फंडिंग और आईपीओ प्लान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेक्टर के लिए सकारात्मक संकेत है। सिंपल एनर्जी जैसे स्टार्टअप्स भारत की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लंबी अवधि के निवेशक EV थीम पर नजर रखें।

सरकारी प्रोत्साहन, घटती बैटरी लागत और बढ़ती पर्यावरण जागरूकता से इस सेक्टर में मजबूत ग्रोथ की उम्मीद है। आईपीओ के बाद कंपनी के प्रदर्शन, मार्जिन और मार्केट शेयर पर नजर रखना फायदेमंद रहेगा। सिंपल एनर्जी का यह कदम भारतीय EV स्टार्टअप इकोसिस्टम को और मजबूत बनाएगा।



MUFG तैयार कर रहा \$250 मिलियन का इंडिया फंड: स्टार्टअप फंडिंग में बदल रहा निवेशक मिश्रण

जापानी बैंकिंग दिग्गज का बड़ा कदम: भारतीय स्टार्टअप्स को मिलेगा ग्लोबल कैपिटल, इंस्टीट्यूशनल निवेश बढ़ने से इकोसिस्टम को मजबूती

मुंबई: जापान की प्रमुख बैंक MUFG (Mitsubishi UFJ Financial Group) भारतीय स्टार्टअप्स के लिए 250 मिलियन डॉलर (लगभग ₹2,100 करोड़) का फंड तैयार कर रही है। यह फंड मुख्य रूप से फिनटेक, डीप टेक, हेल्थटेक और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी सेक्टर में निवेश करेगा।

यह पहल ऐसे समय में आई है जब भारतीय स्टार्टअप फंडिंग में निवेशक मिश्रण तेजी से बदल रहा है। ग्लोबल बैंक और इंस्टीट्यूशनल निवेशक अब अर्ली और ग्रोथ स्टेज दोनों में सक्रिय हो रहे हैं, जबकि पारंपरिक वेंचर कैपिटल फंड्स के साथ-साथ कॉर्पोरेट और स्ट्रैटेजिक

इन्वेस्टर्स की भागीदारी बढ़ रही है। MUFG का फंड भारतीय स्टार्टअप्स को स्थिर पूंजी और ग्लोबल नेटवर्क दोनों उपलब्ध कराएगा। MUFG जैसे प्रतिष्ठित जापानी बैंक का भारत में प्रवेश स्टार्टअप इकोसिस्टम के परिपक्व होने का संकेत है। इससे स्टार्टअप्स को सिर्फ पूंजी ही नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी और बाजार एक्सपैशन में भी मदद मिलेगी। लंबी अवधि के निवेशक स्टार्टअप थीम और संबंधित लिस्टेड कंपनियों पर नजर रखें।

यह विकास भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देगा और स्टार्टअप्स को वैश्विक स्तर पर मजबूत करेगा।



WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj

Technical Head

anil.stockcare@gmail.com

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

- As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
- If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1

- If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
- Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
- If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
- If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	23367	24267	24000	23684	23417	23101	22834	22518
BANK NIFTY	54496	57058	55958	55227	54127	53396	52296	51565
SENSEX	74243	77118	76243	75243	74368	73368	72493	71493
FINNIFTY	25057	26477	25982	25520	25025	24563	24068	23606
MIDCAP	14108	15057	14807	14458	14208	13859	13609	13260
ACC	1330	1471	1440	1385	1354	1299	1268	1213
AXISBANK	1273	1364	1328	1301	1265	1238	1202	1175
ABCAPITAL	358	396	382	370	356	344	330	318
BHARTIARTL	1798	1899	1871	1834	1806	1769	1741	1704
BHEL	387	444	431	409	396	374	361	339
BIOCON	413	459	447	430	418	401	389	372
BEL	408	429	421	415	407	401	393	387
CDSL	1217	1314	1288	1252	1226	1190	1164	1128
DATAPATTERN	4215	4939	4628	4422	4111	3905	3594	3388
ESCORTS	2769	3078	2988	2879	2789	2680	2590	2481
EICHERMOTOR	7050	7500	7370	7210	7080	6920	6790	6630
FEDERAL BANK	305	332	318	312	298	292	278	272
GRINFRAPROJECT	887	946	926	906	886	866	846	826
HDFCBANK	748	786	773	760	747	734	721	708
HCLTECH	1155	1336	1296	1226	1186	1116	1076	1006
HINDUNILVR	2121	2273	2220	2171	2118	2069	2016	1967
HAL	4216	4476	4408	4312	4244	4148	4080	3984
HYUNDAI	1914	2108	2043	1978	1913	1848	1783	1718
IOC	138	147	145	141	139	135	133	129
ICICIBANK	1260	1330	1297	1279	1246	1228	1195	1177
INFY	1199	1366	1322	1261	1217	1156	1112	1051
ITC	281	302	296	288	282	274	268	260
KOTAKBNK	377	400	394	385	379	370	364	355
LICHOUSING	548	590	571	560	541	530	511	500
LT	3962	4293	4199	4081	3987	3869	3775	3657
LUPIN	2265	2393	2350	2307	2264	2221	2178	2135
MARUTI	13035	13868	13568	13301	13001	12734	12434	12167
M&M	3039	3257	3163	3101	3007	2945	2851	2789
MGL	1090	1168	1137	1114	1083	1060	1029	1006
MAZGAONDOC	2425	2566	2522	2474	2430	2382	2338	2290
PFC	431	473	456	443	426	413	396	383
RECLTD	343	379	363	353	337	327	311	301
RELIANCE	1292	1371	1353	1323	1305	1275	1257	1227
SBIN	977	1057	1025	1001	969	945	913	889
SUNPHARMA	1784	1867	1839	1812	1784	1757	1729	1702
SHRIRAMFINANCE	923	1020	987	955	922	890	857	825
TITAN	4265	4654	4464	4365	4175	4076	3886	3787
TCS	2196	2636	2547	2371	2282	2106	2017	1841
TATAMOTORS	398	434	419	408	393	382	367	356
UPL	637	677	666	652	641	627	616	602
VALIENT	286	332	319	302	289	272	259	242
WIPRO	198	227	219	208	200	189	181	170

Fourth S-400 Squadron Arrives in India from Russia, Bolstering Air Defence Capabilities

New Delhi: Fourth squadron of the advanced Russian S-400 Triumph air defence missile system has arrived in India, marking another key milestone in the country's defence modernisation programme. This delivery is part of the landmark \$5.43 billion deal signed in 2018 for five squadrons of the world-class long-range surface-to-air missile system.

The S-400 is capable of simultaneously tracking and engaging multiple aerial targets, including fighter jets, drones, cruise missiles, and ballistic missiles, at ranges of up to 400 kilometres. With the arrival of the fourth squadron, India has significantly strengthened its multi-layered air defence shield, particularly along sensitive border regions.

The final squadron is expected to be delivered in the coming months. The integration of these systems is being carried out by Indian defence personnel with technical support from Russia. This acquisition enhances India's strategic deterrence and operational readiness in an increasingly complex regional security environment.

This development reinforces the long-term growth potential of India's defence sector. Companies involved in air defence systems, radars, integration, and maintenance such as Bharat Electronics and private players in the ecosystem are likely to benefit from rising defence capital expenditure and focus on critical capability building. Investors can maintain a positive outlook on the defence theme amid India's continued push for modernisation and self-reliance.

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.